



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

शास्त्रियकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 288]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1987/ज्येष्ठ 11, 1909

No. 288]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1987/JYAISTHA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation**

वित्त मंत्रालय

समझौता आयोग (आयकर और धन-कर)
आय-कर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1987

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

श्रद्धिसूचना

मा.का.नि. 537(अ).—आयकर समझौता आयोग, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 245व की उपधारा (7) द्वारा पदमाल शक्तियों का विनाश करते हुए और आयकर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1976 को सिवाय उन बातों की बाबत जिन्हें ऐसे आधक्रम से पहले किया गया है या किए जाने से लोप किया गया है, प्रधिकांश करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाना है, प्रथम:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1987 है।

(2) मे 1 जून, 1987 को प्रवृत्त होगे।

2. परिमाणाएँ: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से प्रत्येक अधेक्षण नहीं, —

(i) "प्रधिनियम" से आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) प्रभिप्रेत है;

(ii) "आवेदक" से ऐसा व्यक्ति प्रभिप्रेत है जो भपने से संबंधित मामले के समझौते के लिए धारा 245व की उपधारा (1) के अधीन

आयोग को प्राप्तेन करता है;

(iii) "प्राधिकृत प्रतिनिधि" से, --

(क) आवेदक के संबंध में, सिवाय तब जब ऐसे आवेदक से प्रधिनियम के अध्याय 19 के किन्हीं उपबंधों के अधीन स्वयंहाजिर होने की शर्तों की जाए, ऐसा व्यक्ति प्रभिप्रेत है जो उसका प्रतिनिधित्व धारा 288 के अधीन किसी आयकर प्रधिकारी या प्रधील प्रधिकरण के ममक करते का हक्कारहो;

(ख) आयोग के संबंध में ऐसा व्यक्ति प्रभिप्रेत है जिसे,—

(क) आयुक्त द्वारा नियन्त्रित रूप में, ; या

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा रोजपत्र में अधिसूचना द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में,

आयोग के ममक किसी कार्यालयी में आयुक्त की ओर से हाजिर होने, अधिवक्तन करने या कार्य करने के लिए, यथास्थिति प्राधिकृत किया गया हो या सम्यक् रूप से नियुक्त किया गया हो;

(iv) "आयोग" से धारा 245व की उपधारा (1) के अधीन गठित आयकर समझौता आयोग प्रभिप्रेत है और इसके अंतर्गत जहां संदर्भ द्वारा ऐसा प्रवेक्षण हो, कोई भी स्थायी नहीं है जो आयोग की शक्तियों या कृतयों का प्रयोग या निर्वहन करती है;

(v) "मणिव" से आयोग का मणिव प्रभिप्रेत है और इसके अंतर्गत आयोग का उपसचिव और प्रशासनिक प्रधिकारी हैं;

- (vi) "धारा" में अधिनियम की "धारा" प्रभिप्रेत है;
- (vii) "समझौता आवेदन" से ऐसा आवेदन प्रभिप्रेत है, जो किसी अधिकत द्वारा प्राप्ते से संबंधित मामले के समझौते के लिए धारा 245ग की उपधारा (1) के प्रधीन आयोग की किया गया हो;
- (viii) अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगे जो इनके अधिनियम में हैं।

3. आयोग की आपा (1) आयोग के समक्ष सभी अधिकार आवेदक के विकल्प पर हिंदी या अंग्रेजी में किए जाएंगे।

(2) आयोग के सभी आवेदन और अन्य कार्यवाहियां आयोग के विकल्प पर हिंदी या अंग्रेजी में की जा सकेंगी।

4. सुनवाई का विकल्प पर हिंदी या अंग्रेजी में किए जाएंगे:

- (1) आयोग द्वारा जारी की जाने वाली कोई अध्ययेका, निवेश, पत्र, प्राधिकार, आदेश या लिखित सूचना, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा या आयोग के किसी अन्य सदस्य द्वारा अथवा सचिव द्वारा दृष्टाक्षरित की जाएगी।
- (2) उप नियम (1) की कोई बात ऐसी किसी अध्ययेका या निवेश को लागू नहीं होगी जिसे आयोग, सुनवाई के द्वारा आवेदक या आयुक्त या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि की अवित्तता रूप से जारी करे।

5. समझौता आवेदन फाइल करने की प्रक्रिया—(1) समझौता आवेदन, आवेदक द्वारा स्वयं या उसके अधिकारी द्वारा आयोग के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में सचिव को या ऐसी न्यायीली के सचिव को जिसकी अधिकारिता के भीतर उसका मामला आता है या ऐसे किसी अधिकारी को जिसे सचिव द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो, प्रस्तुत कियोगएगा अथवा सचिव या ऐसे अधिकारी के पते पर रजिस्ट्रेक्ट डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन डाक द्वारा भेजे गए किसी समझौता आवेदन के बारे में यह समझा जाएगा कि वह सचिव को या सचिव द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को उस तारीख को प्रस्तुत किया गया है, जिस तारीख की वह आयोग के कार्यालय में प्राप्त होता है।

6. धारा 245ग (1) के अधीन आयुक्त की रिपोर्ट आदि:—
(1) समझौता आवेदन प्राप्त होने पर उक्त आवेदन की एक प्रति (उपबंध और विवरणियों तथा ऐसे उपबंध से संलग्न अन्य दस्तावेजों से जिस आयोग द्वारा आयुक्त को इस निवेश के साथ अपेक्षित की जाएगी कि वह धारा 245ग की उपधारा (1) के अधीन अपनी रिपोर्ट उसके द्वारा आवेदन की उक्त प्रति प्राप्त होने के तीस दिन के भीतर या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए प्रस्तुत करे।

7. शपथपत्र फाइल किया जाना:—जहाँ समझौता आवेदन में (इस के अंतर्गत उपबंध और ऐसे उपबंध से संलग्न विवरणी या अन्य दस्तावेज भी हैं) से तथ्यों के विवरण में अधिकृतिकृत कोई तथ्य ऐसा है जो मामले से संबंधित अभिलेख से स्थापित नहीं किया जा सकता, अथवा उसके प्रतिकूल है तो स्पष्ट रूप से और संक्षेप में कहित किया जाएगा और मन्त्रक रूप से शपथ किये गए शपथपत्र द्वारा समर्पित होगा।

8. आयुक्त की अतिरिक्त रिपोर्ट: जब आयोग द्वारा धारा 245ग की उपधारा (1) के अधीन समझौता आवेदन पर कार्यवाही करने की अनुशा देते हुए अवैश्य पारित किया जाता है तब उक्त आवेदन के उपबंध की एक प्रति, ऐसे उपबंध से संलग्न प्रस्तेक विवरणी और अन्य दस्तावेज के साथ आयुक्त को, उक्त आवेदा की एक प्रति के साथ और इस निवेश के साथ अपेक्षित किया जाएगा कि आयुक्त उक्त उपबंध (इसमें इसके साथ संलग्न विवरणी और अन्य दस्तावेज सम्मिलित है) की प्राप्ति के नव्वे

दिन के भीतर या ऐसी बाहरी गई अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा दिन विष्ट की जाए, प्रतिरिक्षित रिपोर्ट पेश करेगा।

9. आवेदन की गुम्बाई की तारीख और स्थान का अधिसूचित किया जाता:—नियम 8 के अधीन आयुक्त की अतिरिक्त रिपोर्ट की प्राप्ति पर आयोग आवेदक को और आयुक्त को आवेदन की सुनवाई की तारीख और स्थान अधिसूचित करेगा।

10. न्यायीली की बैठक:—न्यायीली प्रपने मुख्यालय में या ऐसे अन्य स्थान पर जिसे वह सुविधालय के समझे, भपनी बैठक करेगी।

11. न्यायीली की लक्षिताएँ:—(1) न्यायीली पीठ ऐसे समझौता आवेदनों या उनसे उत्पन्न होने वाले विषयों का निपटारा प्रयोगी जिन्हें अन्यक साधारण या विशेष आदेश द्वारा निर्दिष्ट करे।

12. प्रतिकार का फाइल किया जाना:—किसी आवेदन की सुनवाई के समय आवेदक की ओर से उपस्थित होने वाला कोई प्राधिकृत प्रतिनिधि सुनवाई आरम्भ होने से पहले, उसे आवेदक के लिए उपस्थित होने को प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज फाइल करेगा और यदि वह आवेदक का सम्बन्धी है तो दस्तावेज में आवेदक के साथ उसके संबंध की प्रकृति का कथन करेगा या यदि वह आवेदक द्वारा नियमित रूप से नियोजित अवधि है, तो उसमें उसकी बह हसियत जिसमें वह नियोजित है, कथन करेगा।

13. प्रतिरिक्षित तथ्यों का स्थापन—जहाँ आयोग के समझ कार्यवाही के दौरान ऐसे तथ्यों का अधिकथन किया जाता है जो समझौता आवेदन (इसमें उपबंध और ऐसे उपबंध से संलग्न विवरणी तथा अन्य दस्तावेज भी सम्मिलित है) में अन्तर्कृष्ट नहीं है तो उन्हें लिखित स्पष्ट में आयोग को पेश किया जाएगा और उसी रीति से उनका स्थापन किया जाएगा जैसा समझौता आवेदन में उपबंधित है।

14. कार्यवाहियों जी जनता के लिए खुली नहीं है—

आयोग के समझ की कार्यवाहियों जनता के लिए खुली नहीं होगी और कोई अवधि (आवेदक, उसका कर्मचारी आयकर विभाग के संबंधित अधिकारी या प्राधिकृत प्रतिनिधि से मिल) आयोग की अनुशा के विना ऐसे कार्यवाही के दौरान उपस्थित नहीं रहेगा।

15. आवेदन की सुनवाई का स्थगित किया जाना—

आयोग ऐसे निवेशों पर जिन्हें वह उचित समझता है तथा कार्यवाही के किसी प्रक्रम पर आवेदन की सुनवाई का स्थगित कर सकेगा।

16. 1-10-1984 से पूर्व किए गए समझौता आवेदन की बाबत विशेष उपबंध—(1) जहाँ 1-10-1984 से पूर्व किए गए किसी समझौता आवेदन को आवेदन, आयोग द्वारा आवेदन पर कार्यवाही किया जाना अनुशास करने का कोई आवेदन धारा 245ग की उपधारा (1) के अधीन पारित किया जाता है, वहाँ आयोग द्वारा आवेदक से निम्नलिखित की पांच प्रतिशत प्रस्तुत करने की अपेक्षा करते हुए एक मुख्या जारी की जाएगी।

(क) उन विषयों की बाबत जिनका समझौता किया जाना है (जिसके अंतर्गत वह रीति भी है जिसमें आवेदक द्वारा प्रकट की गई या प्रकट किए जाने के लिए प्रस्तुति कोई प्राय हासिल की गई है) तथ्यों का एक पूरा और सत्य विवरण; तथा जहाँ समझौता में ग्राय का अवधारण मम्मिलिन है वहाँ—

(i) उस निर्धारण वर्ष या उन निर्धारण वर्षों के लिए, जिससे समझौता आवेदन संबंधित है, प्रधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में आवेदक की कुल आय की संगणना;

(ii) यथास्थिति, विनिर्णय छाता और व्यापार छाता आयवाहक दोनों की प्रतियोग यथास्थिति, साथ और हानि लेखा या आय और अवय लेखा या कोई अन्य समतुल्य लेखा तथा तुलन-पक्ष; और

(iii) निम्नलिखित की दशा में, प्रवर्ति:—

- (क) साम्पत्तिक कारोबार मा दृग्भी की दशा में, “दृग्भी के व्यक्तिगत खाते की एक प्रति;
- (ख) फर्म या अधिकारी—संगम या व्यक्तियों के निकाय की दशा में, यथास्थिति उसके भागीदारों या सदस्यों के व्यक्तिगत खातों की प्रतियां; और
- (ग) फर्म के भागीदारों या व्यक्तिसंगम या व्यक्तियों के निकाय के सदस्य की दशा में, यथास्थिति, फर्म या व्यक्तिसंगम या व्यक्तियों के निकाय में, ऐसे भागीदार या सदस्य के व्यक्तिगत खातों की प्रतियां;
- (घ) आवेदक द्वारा बांधित समझौते के निबंधन से युक्त उपबंधों सहित, पांच-पाँच प्रतियां प्रस्तुत करे।

(2) तथ्यों का विवरण, उसके उपबंधों और समझौतों के निबंधनों में से प्रत्येक आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित होने तथा तथ्यों का विवरण निम्नलिखित रीति से सत्यापित होगा, अर्थात्:—

“मैं..... (सप्ट भागों में पूरा नाम) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी श्री..... सत्यापिता पूर्वक घोषित करता हूँ/करती हूँ कि तथ्यों के इस विवरण तथा इससे संबंधित उपबंधों में वी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम शान और विश्वास के आनुसार सही तथा पूर्ण है और उनमें विद्याई गई विधिविट्ठयों सत्यापापूर्वक वर्णित हैं। मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरण (पठनाम), को हस्तिगत से दे रहा/रही हूँ और मैं तथ्यों का यह विवरण देने के सिए तथा उसे सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

(हस्ताक्षर)

स्थान.....

तारीख.....

3. शापथ-पत्र का वाक्तिल किया जाओ—जहाँ उपनियम (1) के अधीन वाक्तिल किए गए तथ्यों के विवरण में अधिकारित कोई तथ्य ऐसा है जो भागीदार से संबंधित अधिलेख से सत्यापित नहीं किया जा सकता अथवा उसके प्रतिकूल है, तो वह स्पष्टरूप से तथा संक्षेप में कथित किया जाएगा और सम्मकालीन से शापथपत्र से समर्पित होगा।

4. तथ्यों के विवरण, आविष्कार पर आयुक्त की रिपोर्ट—उपनियम (1) के अधीन तथ्यों का विवरण और समझौते के निबंधनों की प्राप्ति पर आविष्कार उनकी एक प्रति आयुक्त को उस पर उसकी और रिपोर्ट मांगते हुए भेजेगा।

[फा. सं. एस सी/तक/संशोधन/87]

MINISTRY OF FINANCE

Settlement Commission (IT&WT)

The Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987

New Delhi, the 1st June, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 537 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 215F of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1976, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Income-tax Settlement Commission hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 1987.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (i) “Act” means the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (ii) “applicant” means a person who makes an application to the Commission under sub-section (1) of section 245C to have a case relating to him settled;
- (iii) “authorised representative” means—
 - (a) in relation to an applicant, except where such applicant is required under any of the provisions of Chapter XIXA of the Act to attend in person, a person who would be entitled to represent him before any income-tax authority or the Appellate Tribunal under section 288;
 - (b) in relation to a Commissioner, a person—
 - (A) authorised by the Commissioner in writing; or
 - (B) duly appointed by the Central Government by notification in the official Gazette as authorised representative, to appear, plead or act for the Commissioner in any proceedings before the Commission;
- (iv) “Commission” means the Income-tax Settlement Commission constituted under sub-section (1) of section 245B and includes, where the context so requires, any Bench exercising or discharging the powers or functions of the Commission;
- (v) “Secretary” means a Secretary of the Commission and includes a Deputy Secretary and an Administrative Officer of the Commission;
- (vi) “Section” means a section of the Act;
- (vii) “settlement application” means an application made by a person to the Commission under sub-section (1) of section 245C to have a case relating to him settled;
- (viii) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Language of the Commission.—(1) All pleadings before the Commission may, at the option of the applicant, be in Hindi or in English.

(2) All orders and other proceedings of the Commission, may, at the option of the Commission be in Hindi or in English.

4. Signing of notices, etc.—(1) Any requisition, direction, letter, authorisation, order or written notice to be issued by the Commission shall be signed by the Chairman or a Vice-Chairman or any other Member of the Commission or by a Secretary.

(2) Nothing in sub-rule (1) shall apply to any requisition or direction which the Commission may, in the course of the hearing, issue to an applicant or a Commissioner or an authorised representative, personally.

5. Procedure for filing settlement application.—(1) A settlement application shall be presented by the applicant in person or by his agent to the Secretary at the headquarters of the Commission at New Delhi or of the Bench within whose jurisdiction his case falls or to an officer authorised in this behalf by the Secretary, or shall be sent by registered post addressed to the Secretary, or to such officer.

(2) A settlement application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Secretary or the officer authorised by the Secretary, on the day on which it is received in the office of the Commission.

6. Commissioner's report etc., under section 245D (1).—On receipt of a settlement application, a copy of the said application (other than the Annexure and the statements and other documents accompanying such Annexure) shall be forwarded by the Commission to the Commissioner with the direction to furnish his report under sub-section (1) of section 245D within thirty days of the receipt of the said copy of the application by him or within such further period as the Commission may specify.

7. Filing of affidavit.—Where a fact which cannot be borne out by, or is contrary to, the record relating to the case is alleged in the settlement application (including the Annexure and the statements or other documents accompanying such Annexure), it shall be stated clearly and concisely and supported by a duly sworn affidavit.

8. Commissioner's further report.—Where an order is passed by the Commission under sub-section (1) of section 245D allowing the settlement application to be proceeded with, a copy of the Annexure to the said application, together with a copy of each of the statements and other documents accompanying such Annexure, shall be forwarded to the Commissioner along with a copy of the said order with the direction that the Commissioner shall furnish a further report within ninety days of the receipt of the said Annexure (including the statements and other documents accompanying it) or within such further period as the Commission may specify.

9. Date and place for hearing of application to be notified.—On receipt of the Commissioner's further report under rule 8, the Commission shall notify to the applicant and the Commissioner the date and place of hearing of the application.

10. Sitting of Bench.—A Bench shall hold its sittings at its headquarters or such other place as it may consider convenient.

11. Powers of Bench.—A Bench shall dispose of such settlement applications or matters arising there from as the Chairman may by general or special order direct.

12. Filing of authorisation.—An authorised representative appearing for the applicant at the hearing of an application shall file before the commencement of the hearing a document authorising him to appear for the applicant and if he is a relative of the applicant, the document shall state the nature of his relationship with the applicant, or if he is a person regularly employed by the applicant, the capacity in which he is at the time employed.

13. Verification of additional facts.—Where in the course of any proceedings before the Commission any facts not contained in the settlement application (including the Annexure and the statements and other documents accompanying such Annexure) are alleged, they shall be submitted to the Commission in writing and shall be verified in the same manner as provided for in the settlement application.

14. Proceedings not open to the public.—The proceedings before the Commission shall not be open to the public and no person (other than the applicant, his employee, the concerned officers of the Income-tax Department or the authorised representatives) shall, without the permission of the Commission, remain present during such proceedings.

15. Adjournment of hearing of application.—The Commission may, on such terms as it thinks fit and at any stage of the proceedings, adjourn the hearing of the application.

16. Special provisions in respect of settlement applications made before 1-10-1984.—(1) Where, in respect of a settlement application made before the 1st day of October, 1984, an order is passed by the Commission under sub-section (1) of section 245D allowing the application to be proceeded with, a notice shall be issued by the Commission to the applicant requiring him to furnish in quintuplicate—

(a) a full and true statement of facts regarding the matters to be settled (including the manner in which any income disclosed or proposed to be disclosed by the applicant has been derived); and where the settlement involves determination of income, accompanied with annexures containing—

- (i) computation of total income of the applicant for the assessment year or years to which the settlement application relates, in accordance with the provisions of the Act;
- (ii) copies of manufacturing account or trading account or both, as the case may be; profit and loss account or income and

expenditure account or any other similar account, as the case may be, and balance-sheet; and

(iii) in the case of—

- (A) a proprietary business or profession, copy of the personal account of the proprietor;
- (B) a firm or association of persons or body of individuals, copies of the personal accounts of the partners or members thereof, as the case may be; and
- (C) a partner of a firm or a member of an association of persons or body of individuals, copies of the personal account of such partner or member in the firm or association or persons or body of individuals, as the case may be;

(b) the terms of settlement sought for by the applicant.

(2) The statement of facts, the annexures thereto and the terms of settlement shall each be signed separately by the applicant and the statement of facts shall be verified in the following manner, namely :—

"I. son[daughter]
[Name in full and in Block letters]
wife of solemnly
declare that to the best of my knowledge
and belief, the information given in this
statement of facts and the annexures accom-
panying it is correct and complete and
other particulars shown therein are truly
stated. I further declare that I am making
this statement in my capacity as
..... (Designation)
and that I am competent to make this
statement of facts and to verify it.

Place.....

Date.....

.....
Signature"

(3) Where a fact which cannot be borne out by, or is contrary to, the record relating to the case is alleged in the statement of facts furnished under sub-rule (1), it shall be stated clearly and concisely and supported by a duly sworn affidavit.

(4) On receipt of the statement of facts and the terms of settlement under sub-rule (1), the Commission shall forward a copy thereof to the Commissioner calling for his further report.

[File No. SC|Tech|Amendments|87]

धन-कर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1987

अधिसूचना

सा.का.नि. 538(अ).—धन-कर आयोग, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 22वाँ की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों, का प्रयोग करते हुए और धन कर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम 1976 को, सिवाय उन बातों के, जिन्हें ऐसे अधिकारण के पूर्व किया गया है या किए जाने से लोप किया गया है, अधिकांत करते हुए निम्नलिखित नियम बनाता है, प्रथात् :—

1. संधित नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संधित नाम धन-कर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1987 है।

(2) मे 1 जून, 1987 को प्रचुर्त होगे।

2. आय-कर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1987 का लागू होना—आय-कर समझौता (आयोग प्रक्रिया) नियम, 1987 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के उपबंध, परामर्शदाता, निम्नलिखित उपांत्यणों के अधीन रहते हुए, धनकर अधिनियम 1957, (1957 का 27) की धारा 228 की उपधारा (1) के अधीन गठित धनकर समझौता आयोग की प्रक्रिया को लागू होगे, प्रथात् :—

(क) नियम 2 का उपांत्यण—उक्त नियमों के नियम 2 के म्यां न पर, निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे, प्रथात् :—

2. परिवाराणः इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(i) "अधिनियम" से धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) अभिप्रेत है;

(ii) "आवेदक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो धारा 22वाँ की उपधारा (1) के अधीन अपने से संबंधित मामले के निपटारे के लिए आयोग को आवेदन करता है;

(iii) "प्राधिकृत प्रतिनिधि" से—

(क) आवेदक के संबंध में, विवाय तब जब ऐसे आवेदक से अधिनियम के अध्याय 5 के किन्होंने उपबंधों के अधीन स्वयं हाजिर होने की अपेक्षा की जाए, ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो उसका प्रतिनिधित्व धारा 44 के अधीन किसी धन-कर प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी के समक्ष करने का हक्कार हो;

(ख) आयोग के संबंध में ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे—

(ग्र) आयोग द्वारा लिखित रूप में, या

(ग्रा) केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में प्रधिसूचना द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में, आयोग के समर्थ किसी कार्यवाही में आयुक्त की ओर से हाजिर होने, अभिव्यक्त करने या कार्य करने के लिए, यथा-स्थिति प्राधिकृत किया गया हो या सम्यक् रूप में नियुक्त किया गया हो;

(iv) "आयोग" से धारा 22वाँ की उपधारा (1) के अधीन गठित धन-कर समझौता आयोग अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत, जहाँ संबंध द्वारा ऐसा अपेक्षित हो, कोई भी व्यायामीठ है जो आयोग की अवित्यों या कृत्यों का प्रयोग या निवेदन करती है;

(v) "सचिव" से आयोग का सचिव अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत आयोग का उप सचिव और प्रशासनिक प्रविकारी है;

(vi) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(vii) "समझौता आवेदन" से ऐसा आवेदन अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति द्वारा अपने से संबंधित मामले के समझौते के लिए धारा 22वाँ की उपधारा (1) के अधीन आयोग को किया गया ही;

(viii) प्रथा सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही प्रथा होने जो उनके अधिनियम में हैं।"

(ix) नियम 6 का उपांत्यण—उक्त नियमों के नियम 6 में, "धारा 245वा" प्राप्त, अंकों और प्राप्त दोनों पर "धारा 22वा" प्राप्त, अंक और अध्यक्षर रखे जाएंगे;

- (v) नियम 8 का उपार्थण—उक्त नियमों के नियम 8 में, भारतीय संविधान पर “भारत 22F” शब्द, अंकों और अक्षर के स्थान पर “भारत 22B” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;
- (vi) नियम 16 का उपार्थण—उक्त नियमों के नियम 16 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, प्रथम—
- (1) जहाँ, 1 अक्टूबर, 1984 के पूर्ण किए गए समझौते के संबंध में आवेदन पर, आयोग द्वारा कार्यदाई किया जाता गया जाने का कोई आवेदन भारत 22B की उपनियम (1) के अधीन पारित किया जाता है, वहाँ आयोग द्वारा आवेदक को एक सूचना दी जाएगी कि वह—
- (क) उन विधीयों की बाबत जिनका समझौता किया जाना है (जिसके प्रन्तर्गत वह रीति भी है जिससे आवेदक द्वारा प्रकट किया गया या प्रकट किए जाने के लिए प्रस्तुतियां कोई धन व्यजित किया गया है) तथ्यों का एक पूर्ण और सत्य विवरण और जहाँ शुद्ध धन का आवधारण सम्भित है वहाँ उपनियमों सहित जिन में निम्नलिखित ग्रन्तियां हैं—
- (i) उस निर्धारण वर्ष या उन निर्धारण वर्षों के लिए, जिनसे समझौता आवेदन संबंधित है ग्रन्तियां के उपनियम के उपबंधों के भ्रमसार आवेदक के शुद्ध धन की संगणना ; और
- (ii) मूलांकन तारीख की भारत में, और बाहर ग्रन्तियां आस्तियां (जगम और स्थावर) और जहाँ का व्यावेकार विवरण;
- (vii) आवेदक द्वारा बांधित समझौते के निवेदनों की पार्च-पार्च प्रतियां प्रस्तुत करे।"

[फाइल सं. एस सी/टैक/संशोधन/87]

ए. एस. पिंड, सचिव

समझौता आयोग (आयकर और बनकर)

The Wealth-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 538 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 22F of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), and in supersession of the Wealth-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1976, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Wealth-tax Settlement Commission hereby makes the following rules, namely :—

I. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Wealth-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 1987.

2. Application of the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987.—The provisions of the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1987 (hereinafter referred to as the said rules) shall apply, so far as may be, to

the procedure of the Wealth-tax Settlement Commission constituted under sub-section (1) of section 22B of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) subject to the following modifications, namely :—

(a) Modification of rule 2.—For rule 2 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely ;—

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, —

(i) "Act" means the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

(ii) "applicant" means a person who makes an application to the Commission under sub-section (1) of section 22C to have a case relating to him settled ;—

(iii) "authorised representative" means —

(A) in relation to an applicant, except where such applicant is required under any of the provisions of Chapter VA of the Act to attend in person, a person who would be entitled to represent him before any wealth-tax authority or the Appellate Tribunal under section 44 ;

(B) in relation to a Commissioner, a person—

(A) authorised by the Commissioner, in writing ; or

(B) duly appointed by the Central Government by notification in the Official Gazette as authorised representative, to appear, plead or act for the Commissioner in any proceedings before the Commission ;

(iv) "Commission" means the Wealth-tax Settlement Commission constituted under sub-section (1) of section 22B and includes, where the context so requires, any Bench exercising or discharging the powers or functions of the Commission ;

(v) "Secretary" means a Secretary of the Commission and includes a Deputy Secretary and an Administrative Officer of the Commission ;

(vi) "section" means a section of the Act ;

(vii) "settlement application" means an application made by a person to the Commission under sub-section (1) of section 22C to have a case relating to him settled ;

(viii) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act ;

(b) Modification of rule 6.—In rule 6 of the said rules, for the word, figures and letter "section 245D", the word, figures and letter "section 22D" shall be substituted ;

(c) Modification of rule 8.—In rule 8 of the said rules, for the word, figures and letter “section 245D”, the word, figures and letter “section 22D” shall be substituted;

(d) Modification of rule 16.—In rule 16 of the said rules, for sub-rule (l), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(l) Where, in respect of a settlement application made before the 1st day of October, 1984, an order is passed by the Commission under sub-section (1) of section 22D allowing the application to be proceeded with, a notice shall be issued by the Commission to the applicant requiring him to furnish in quintuplicate —

(a) a full and true statement of facts regarding the matters to be settled (including the manner in which any wealth disclosed or proposed to be disclosed by the applicant has been acquired); and where the

settlement involves determination of net wealth, accompanied with annexures containing —

- (i) computation of the net wealth of the applicant for the assessment year or years to which the settlement application relates, in accordance with the provisions of the Act; and
- (ii) a detailed statement of assets (movable and immovable) and debts, located in India and outside, as on the valuation date;
- (b) the terms of settlement sought for by the applicant.”

[File No. SC|Tech|Amendments|87]

A. S. THIND, Secy.
Settlement Commission (IT & WT)

